RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

राहुल भैया तभी तो, खूब मचाते शोर।
धन की वर्षा हो रही, दोनों पर घनघोर।
दोनों पर घनघोर, अडाणी या अंबानी।
सबसे बड़े अमीर, यही दो हिंदुस्तानी।
कह साहिल कविराय, कौन यूं ही पा जाता।
कुछ है चक्कर यहां, तभी धन दौड़ा आता।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 201 | THURSDAY DATE 13-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तानी जासूस बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

परगना, यूटर्न/ 12 अगस्त । पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस से संबंध हैं। वह जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया।

एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था। इसके बाद से पश्चिम बंगाल में रहने लगा। शुरूआती जांच में उसके वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पाकिस्तान भेजने की बात सामने आई है। एसटीएफ ने मंगलवार रात टोपसिया से एक व्यक्ति को गिरफ्तार है, उसका रऊफ से सीधा संपर्क था और उसने कई तरह से उसकी मदद की थी; हालांकि, उन्होंने उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया।

स्पाइसजेट फ्लाइट का एसी खराब

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । दिल्ली से पुणे जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में मंगलवार रात एसी खराब होने से करीब 150 यात्रियों को परेशानी हुई। केबिन का टेम्परेचर इतना बढ़ गया कि कुछ यात्रियों को सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। यात्रियों के विरोध के बाद फ्लाइट रद्द कर दी गई। इसके बाद यात्री छह घंटे से ज्यादा समय तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। बुधवार सुबह दूसरी फ्लाइट से उन्हें पुणे पहुंचाया गया। यात्रियों के मुताबिक, केबिन में एसी और वेंटिलेशन ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनका आरोप है कि इस दौरान उन्हें खाने के कूपन या नाश्ता भी नहीं दिया गया। वहीं, एक गर्भवती महिला की तबीयत बिगडने लगी।

हमें अमित शाह का बयान सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं, छात्रों के मुद्दों पर जवाब देना चाहिए : राहुल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान या 'लेक्चर' सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी प्राथमिकता देश की युवा पीढ़ी से जुड़े उन सवालों का जवाब पाना है, जिनका संबंध छात्रों पर हुई कथित हिंसा से है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है और विपक्ष की अन्य पार्टियों ने भी अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जानना चाहता है कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया, किसके आदेश से छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ और एक छात्र की आंख की रोशनी जाने की घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने गृह मंत्रालय की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश गृह मंत्रालय के स्तर से लागू किया गया था। राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल किया कि क्या उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था।उन्होंने कहा कि यदि ऐसा आदेश गृह मंत्री ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि तब वे इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। वहीं, अगर उन्होंने ऐसा आदेश नहीं दिया था तो राहुल गांधी ने उनकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए इस्तीफे की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह पिछले 20 दिनों से सदन में नजर नहीं आए हैं। गृह मंत्री में सदन का सामना करने की हिम्मत नहीं है और वे संसद में आकर इन सवालों का जवाब नहीं दे सकते। राहुल गांधी ने छात्रों पर कथित तौर पर कील लगी लाठियों से हमला किए जाने का भी उल्लेख किया और पूछा कि इस तरह की कार्रवाई का आदेश किसने दिया था। वहीं, झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के मुद्दे पर राहुल गांधी ने अपने ऊपर लगाए जा रहे चुप रहने के आरोपों को खारिज किया।

संसद में शाह की हुंकार, सवालों के देंगे जवाब विपक्ष तय करे चर्चा करनी है या हंगामा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

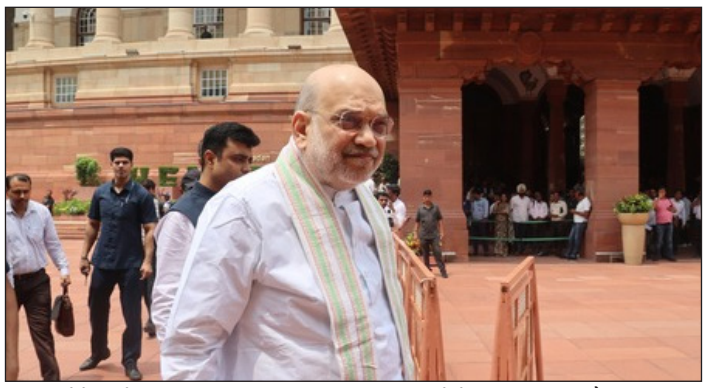

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ तौर पर कहा है कि वे गुरुवार को सदन में विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही, गृह मंत्री ने विपक्ष के हंगामे को लेकर भी निशाना साधा।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष के पास चर्चा का पत्र दे। बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

वहीं, विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, विपक्ष का उद्देश्य चर्चा करना नहीं, हंगामा करना है। शाह ने कहा वह गुरुवार को विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे। फिर जनता तय करेगी कि कौन चर्चा करना चाह रहा है और कौन भाग रहा है।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया से बात करते हुए कहा, लापता, भाग गए और भगोड़े हैं, जैसी भाषा भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में अभी-अभी सुनाई पड़ रही है। जब से सत्र शुरू हुआ, तब से वह लगातार संसद आ रहे है और अपने चैंबर में बैठते है। चूंकि विपक्ष संसद के दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा है, तो वहां जाकर क्या किया जा सकता है?

उन्होंने आगे कहा, जहां तक चर्चा का सवाल है, सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट कर दिया है कि नीट को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर सभी प्रकार की चर्चा करने के लिए तैयार है। चर्चा के लिए समय सुनिश्चित किया जाए और विपक्ष तैयार हो जाए। विपक्ष इसकी मांग कर रहा था और हमने इसे स्वीकार किया। शाह ने हमला बोलते हुए कहा, वह किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा ही नहीं होने देना चाहते हैं। अब जनता तय करे कि कौन भाग रहा है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि आज 3 बजे तक विपक्ष स्पीकर साहब को पत्र दे। आज दोपहर तीन बजे से गुरुवार दोपहर तीन बजे तक हम सभी प्रकार की चर्चा के लिए तैयार हैं। मैं सदन में ही बैठूंगा, सबको सुनूंगा और सब चीजों का जवाब दूंगा। सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है।

अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार हर चीज पर चर्चा के लिए तैयार है, बस विपक्ष संसद को चलने दे। हम प्रश्नकाल भी सस्पेंड करने के लिए तैयार हैं, अगर स्पीकर की अनुमति मिले। मैं सभी सवालों पर जवाब देने के लिए तैयार है। गुरुवार को दोपहर 3 बजे जवाब देंगे। अब विपक्ष को तय करना है उनको चर्चा करनी है या हंगामा करना है। गौरतलब है कि राम मंदिर के चढ़ावे में कथित रूप से गबन और दिल्ली में संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। विपक्ष ने सदन में अमित शाह की मौजूदगी की मांग की है और छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री से जवाब मांगा है।

राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगी राजधानी, इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकली तिरंगा यात्रा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और सीएम रेखा गुप्ता तिरंगा यात्रा में शामिल हुई

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

वंदे मातरम के जयघोष, हाथों में लहराते तिरंगे और कदमों में राष्ट्रभक्ति का जोश बुधवार को राजधानी देशप्रेम के रंग में सराबोर नजर आई। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व बेला पर इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर राष्ट्रगौरव का संदेश दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में निकली इस यात्रा में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की मौजूदगी ने माहौल को और जोशीला बना दिया। तिरंगा थामे युवाओं की कतार और देशभक्ति के नारों से राजधानी में ऐसा दृश्य बना, मानो पूरा दिल्ली देश के वीर सपूतों के बलिदान को नमन करते हुए हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा के संकल्प में एकजुट हो गया हो।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद नितिन नबीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आ'ान पर हर घर तिरंगा आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से आ'ान किया कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को याद करने का भी अवसर है। आजादी के बाद भारत ने अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विकास, विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के परिश्रम, संकल्प और सामूहिक योगदान की कहानी है।

मुंबई में रिहायशी इलाके में भूस्खलन से 7 लोगों की मौत, सीएम फडणवीस ने दुख जताया

मुंबई, यूटर्न/ 12 अगस्त । मुंबई के घाटकोपर में लगातार भारी बारिश के बाद बुधवार को एक रिहायशी इलाके में जबरदस्त भूस्खलन हुआ, जिसमें तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। यह हादसा चिराग नगर के अशोक नगर इलाके में गौसिया चाल में सुबह करीब 3:48 बजे हुआ। यह हादसा उस समय हुआ, जब लोग अपने घरों में आराम से सो रहे थे। तभी पास की पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कीचड़, बड़े पत्थर और मलबा दो-तीन कतार वाले घरों पर गिर गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में कहा कि घाटकोपर के साकीनाका गौसिया चाल इलाके में भूस्खलन से हुए हादसे की खबर बेहद दुखद है। पता चला है कि इस हादसे में कुछ लोगों की जान चली गई है, और हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं। रात भर लगातार भारी बारिश के कारण पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया, जिससे घरों पर भूस्खलन हुआ और कुछ लोग मलबे के नीचे दब गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्हें जरूरी इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

संसद में गतिरोध पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का कांग्रेस और विपक्षी दलों पर हमला, चिराग पासवान ने भी की आलोचना

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे विपक्ष को मूल मुद्दों से भटकाने का काम किया और संसद में सार्थक चर्चा नहीं होने दी। नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'संसद लोकतंत्र का वह पवित्र मंदिर है, जहां जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा से देश की दिशा तय होती है, लेकिन इस बार के मानसून सत्र में गैर-जिम्मेदार कांग्रेस ने पूरे विपक्ष को मुद्दों से भटकाने का ही काम किया है, उनको गुमराह किया है। इस पूरे सत्र में राहुल गांधी और समूचे विपक्ष का रवैया उनकी अराजक मानसिकता और लोकतंत्र-विरोधी सोच को उजागर करता है।

दिल्ली में 70 लाख पौधरोपण अभियान की बड़ी कामयाबी, 58 फीसदी लक्ष्य पूरा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त।**

सरकार के 70 लाख पौधरोपण अभियान ने लक्ष्य का करीब 58 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर लिया है। दिल्ली सरकार के मुताबिक अब तक राजधानी में करीब 40.49 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। हरियाली उत्सव के अवसर पर दिल्ली रिज स्थित पीबीजी ग्राउंड में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और प्रवेश साहिब सिंह शामिल हुए। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ'ान से प्रेरित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत दिल्ली में इस वर्ष 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 40.49 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 58 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें जीवित रखना और उनके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करना भी है।

सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा लगाए जा रहे प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग की जा रही है। पौधे के स्थान, तस्वीर, ऊंचाई और अन्य जरूरी जानकारी को डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जा रहा है। पौधरोपण अभियान में हिस्सा लेने वाले नागरिकों को क्यूआर कोड भी दिया जा रहा है।

खास रहा दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र, 4 बिल पास और 19 कैग रिपोर्ट सदन में पेश

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त।**

विधानसभा का तीन दिवसीय मानसून सत्र बुधवार को संपन्न हो गया। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने सत्र को सफल और उत्पादक बताते हुए कहा कि इस दौरान सदन में 13 घंटे 19 मिनट कार्यवाही हुई। इस दौरान 19 कैग रिपोर्ट पेश की गईं और चार महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। नियम 280 के तहत सदस्यों ने जनहित से जुड़े कुल 52 मामले भी सदन में उठाए।

विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि 8वीं दिल्ली विधानसभा ने डेढ़ साल से भी कम समय में छह सत्र आयोजित किए हैं। उन्होंने पिछली यानी 7वीं विधानसभा से इसकी तुलना करते हुए कहा कि 7वीं विधानसभा ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल पांच सत्र आयोजित किए थे। उन्होंने बताया कि 22 विपक्षी सदस्यों वाली विधानसभा में विपक्ष के करीब 20 सदस्य सदन में मौजूद रहे, जबकि सत्तापक्ष के 48 में से लगभग 44-45 सदस्य सदन में उपस्थित रहे।

अध्यक्ष ने बताया कि नियम 280 के तहत आम तौर पर प्रतिदिन 10 सदस्यों के लिए जनहित के मामले उठाने की सीमा निर्धारित है, लेकिन इस सत्र में एक दिन में 23 सदस्यों को अपने क्षेत्र और जनता से जुड़े मुद्दे उठाने का अवसर दिया गया। सदस्यों ने कूड़ा निस्तारण, जलभराव, आवारा पशु, पीडब्ल्यूडी की सड़कों और बिजली के बिलों समेत कई नागरिक समस्याओं को सदन में उठाया। इसके अलावा उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों में राजनीतिक नेताओं की भूमिका और सजा से जुड़े मुद्दे पर दो दिवसीय अल्पकालिक चर्चा भी हुई।

मानसून सत्र के दौरान चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश कर पारित किए गए। इनमें दिल्ली बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठान (निरसन) विधेयक, 2026, दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध और सुगम सेवाओं की उपलब्धता का अधिकार) विधेयक, 2026, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2026 और दिल्ली अग्निशमन सेवा (संशोधन) विधेयक, 2026 शामिल हैं। अध्यक्ष के अनुसार इन विधेयकों का उद्देश्य नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाना, शहरी आश्रय व्यवस्था को मजबूत करना और दिल्ली अग्निशमन सेवा के कामकाज में सुधार करना है। सत्र के दौरान तकनीक के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल हुई।

बौखलाहट में फर्जी आंकड़े दे रही 'आप': आशीष सूद

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त।**

रेखा गुप्ता सरकार की स्कूली छात्राओं के लिए साइकिल वितरण योजना को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकार के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने साइकिल खरीद में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज करते हुए आम आदमी पार्टी पर झूठे आंकड़े पेश करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है।

आशीष सूद ने कहा कि 3,000 से अधिक छात्राओं को साइकिल मिलने से आम आदमी पार्टी बौखला गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि साइकिल खरीद को लेकर पार्टी की ओर से लगाए जा रहे आरोपों में लगातार बदलाव हो रहा है और हर दिन अलग-अलग प्रतिशत के आंकड़े सामने रखे जा रहे हैं। मंत्री के मुताबिक 3 अगस्त को 70 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगाया गया। इसके बाद 6 अगस्त को 40 प्रतिशत कमीशन और 90 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में 36 करोड़ रुपये के नुकसान की बात कही गई। 7 अगस्त को यह आंकड़ा 43 प्रतिशत और 66 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि 8 अगस्त को 75 प्रतिशत का नया आंकड़ा सामने आया। सूद ने कहा कि आरोपों में लगातार बदलाव से साफ है कि आम आदमी पार्टी के पास कोई ठोस तथ्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग आंकड़े पेश कर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साइकिलों की पूरी खरीद केंद्र सरकार की सरकारी ई-बाजार व्यवस्था के माध्यम से निर्धारित नियमों के तहत की गई। उन्होंने दावा किया कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही और पात्र बोलीदाताओं में से सबसे कम दर देने वाले बोलीदाता का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि बोली प्रक्रिया के दौरान किसी विक्रेता या अन्य पक्ष की ओर से सरकारी ई-बाजार व्यवस्था पर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। सूद के मुताबिक, इस व्यवस्था में निर्धारित नियमों का पालन किया जाता है और पक्षपातपूर्ण शर्तों वाले निविदा प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाते।

आशीष सूद ने विधानसभा में दिल्ली लक्ष्मी योजना पर हुई चर्चा को लेकर भी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता पहले महिलाओं को 2,500 रुपये देने की तारीख को लेकर सवाल करते थे, लेकिन अब जब सरकार लाभार्थियों तक सहायता पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है तो विपक्ष चर्चा से बच रहा है। मंत्री ने विधानसभा में पारित दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड संशोधन विधेयक, 2026 का भी उल्लेख किया।

मास्टर प्लान-2047 को मंजूरी, केंद्र की मंजूरी के बाद नोटिफिकेशन

तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में बोर्ड ने लगाई मुहर

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त।**

उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बोर्ड बैठक में डीडीए ने मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट को मंजूरी दे दी। डीडीए इस ड्राफ्ट को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय शहरी आवासन मंत्रालय को भेजेगा। केंद्र की मंजूरी मिलते ही नोटिफिकेशन कर दिया जाएगा। मास्टर प्लान-47 लंबे समय से लटका हुआ है। डीडीए का कहना है कि नया मास्टर प्लान लागू होने से राष्ट्रीय राजधानी के विकास को गति मिलेगी और नए रूप में सामने आएगी।

बोर्ड बैठक में डीडीए उपाध्यक्ष एन सरवन कुमार समेत अन्य अधिकारी भी थी। कि मास्टर प्लान के अलावा डीडीए की पुरानी दो मंजिला इमारतों के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास की नीति, मेट्रो कॉरिडोर का विस्तार में नरेला सब सिटी से रिठाला-कुंडली कॉरिडोर के मेट्रो डिपो के विकास हेतु प्रस्तावित जमीन का लैंड यूज बदलने का भी प्रस्ताव पास हो गया। कामकाज में आसानी के लिए नियमों के बोझ को कम करने के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, यूनिफाइड बिल्डिंग्स बाल लॉज -2016 में संशोधन प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई। डीडीए का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के अनुरूप प्राधिकरण ने मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। बोर्ड बैठक से पहले बीते साल 15 जुलाई को दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, एनडीएमसी, दिल्लीजलबोर्ड, डीएमआरसीएनसीआरटीसी, आरडब्ल्यूए समेत सभी संस्थाओं से विचार विमर्श किया गया था।

डीडीए का मानना है कि 2047 तक दिल्ली की आबादी तेजी से बढ़ेगी। आबादी की जरूरत के लिए आवास, आर्थिक विकास, आवागमन, पर्यावरण की स्थिरता, बुनियादी ढांचा, विरासत संरक्षण, शहरी पुनर्निर्माण और नागरिकों पर केंद्रित शासन के प्रति एक एकीकरण दृष्टिकोण अपनाया गया है।

यूबीबीएल में बदलाव:

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के डिरेगुलेशन (नियमों में ढील) को ध्यान में रखते हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने, डीडीए ने बिल्डिंग प्लान को मंजूरी देने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए यूनिफाइड बिल्डिंग बाय-लॉज -2016 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य बिल्डिंग परमिट लेने के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) मुख्य कारखाना निरीक्षक (सीआईएफ), दिल्ली जल बोर्ड और वन विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एन ओसी) की जरूरत को समाप्त करना है। इस प्रक्रिया में होने वाली देरी को कम करने के साथ ही प्रोजेक्ट को जल्द पूरा कराना है।

डीडीए का कहना है कि पुरानी दो मंजिला इमारतों के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास के लिए समान पॉलिसी, निवासियों और जनप्रतिनिधियों के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए प्राधिकरण ने एक व्यापक पॉलिसी को मंजूरी दे दी है।

यह पॉलिसी पुरानी हाउसिंग स्कीम (नारायणी विहार जैसे) में अलग अलग प्लाट पर बनीं डीडीए की दो मंजिला आवासीय यूनिट के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास की इजाजत देती है। इसे दिल्ली में अन्य जगह भी लागू किया जाएगा। मास्टर प्लान-1962 के तहत बनीं डीडीए की पुरानी हाउसिंग स्कीम में अलग अलग प्लॉट पर दो मंजिला यूनिट है और ऐ 50 साल से अधिक पुरानी है। ढांचागत रूप से कमजोर है।

संक्षिप्त खबरें

कार शराब की 25 पेटी ले जा रहे दो तस्करों को पुलिस ने पकड़ा

साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त। कार में शराब की 25 पेटी छिपाकर ले जा रहे दो तस्करों को टीला मोड़ थाना पुलिस ने सोमवार रात भोपुरा रोड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार और 25 पेटी शराब को जब्त कर लिया है। एसीपी शालीमार अतुल कुमार ने बताया कि पुलिस टीम लोनी-भोपुरा रोड पर गश्त कर रही थी। उसी दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार में शराब छिपाकर ले जाने वालों को पकड़ा है। दोनों तस्करों ने पूछताछ में अपने नाम दिल्ली के अशोकनगर निवासी सुनील और न्यू सीमापुरी निवासी शोएब बताए हैं। कार की तलाशी लेने पर पिछली सीट और डिग्गी से हरियाणा मार्का शराब की पेटियां मिलीं। दोनों ने बताया कि वे हरियाणा से शराब लाकर दिल्ली व गाजियाबाद में बेचते थे।

टीएचए में पांच घंटे गुल रही बिजली, 1912 पर भी नहीं हो रहा समाधान

साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त। टीएचए क्षेत्र के कई इलाकों में मंगलवार सुबह बारिश की वजह से बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया। न्याय खंड एक, राजेंद्र नगर, तुलसी निकेतन और भोपुरा में अलग-अलग समय पर करीब चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में सुबह से ही कटौती का सिलसिला जारी रहा और करीब पांच घंटे तक आपूर्ति प्रभावित रही। लगातार बिजली जाने से लोगों को गर्मी और उमस के बीच परेशानी उठानी पड़ी। लोगों ने 1912 कर ऊर्जा निगम के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। जल्द आपूर्ति सामान्य होने का आश्वासन देते रहे। राजेंद्र नगर सेक्टर-तीन व सात में फॉल्ट की वजह से बिजली गुल हो गई। दोपहर एक बजे के करीब आपूर्ति सामान्य हुई। न्याय खंड एक और तुलसी निकेतन में अलग-अलग समय पर बिजली जाने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। सोमवार रात करीब नौ बजे से 12 बजे तक बिजली गुल रही। भोपुरा में भी सुबह से चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। लोगों का आरोप है कि बिना पूर्व सूचना बिजली कटौती होने से उन्हें अधिक परेशानी होती है। वसुंधरा सेक्टर-17 के में भी इंसुलेटर में फॉल्ट के कारण बिजली कटी। निवासी महेश कुमार ने बताया कि बिजली कटने पर उपकेंद्र में शिकायत की गई। इसके बाद 1912 पर भी कॉल की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अर्थला की बालाजी विहार कॉलोनी में भी आपूर्ति ठप हो गई। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी कमल ने बताया कि सुबह से कई बार बिजली आने-जाने का सिलसिला चलता रहा।

युवक-युवती समेत चार की एमएमजी अस्पताल में मौत

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त। 19 वर्षीय युवक व 23 वर्षीय युवती समेत चार की मौत की पुष्टि जिला एमएमजी अस्पताल में की गई। यह सभी मौतें सोमवार शाम छह बजे से मंगलवार शाम छह बजे तक के बीच हुई हैं। तीन की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई थी, जबकि एक 76 वर्षीय महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि सोमवार रात करीब 1035 बजे गुलाब वाटिका लोनी बॉर्डर निवासी 19 वर्षीय मुकेश यादव को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह करीब 4:50 बजे विजय नगर बागू निवासी 23 वर्षीय काजल को घर के सदस्य अस्पताल लेकर पहुंचे, चिकित्सकों ने युवती को भी अस्पताल पहुंचने से पहले मृत बताया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

कुरुक्षेत्र गोशाला में किया पौधारोपण

राजेश सलूजा/हरियाणा/हिसार, यूटर्न/ 12 अगस्त । पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हिसार प्रेस क्लब द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। क्लब के सदस्यों ने श्री हरियाणा कुरुक्षेत्र गोशाला, हिसार के प्रांगण में एकत्रित होकर पौधारोपण किया और पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया। पौधारोपण के इस विशेष कार्यक्रम में हिसार प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और वरिष्ठ पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर क्लब के प्रधान राज पराशर, राजेश चुघ, गुलशन बजाज, प्रवीण सोनी, बिंदु शर्मा और शीशपाल वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस संदर्भ में क्लब के संरक्षक देवेंद्र उप्पल ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि यह हमारी माताओं के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक बेहतरीन जरिया भी है। श्री देवेंद्र उप्पल ने बताया कि इससे पहले भी पुलिस पब्लिक स्कूल में प्रेस क्लब पौधा रोपण कर चुका है। गोशाला परिसर में लगाए गए इन पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया, ताकि आने वाले समय में ये वृक्ष बनकर परिसर को छाया और शुद्ध वातावरण प्रदान कर सकें।

अंगदान : मृत्यु के पश्चात भी जीवन का अमर उपहार

» डॉ. अशोक कुमार वर्मा

हरियाणा, यूटर्न/ 12 अगस्त । 'मानव जीवन का सर्वोच्च आदर्श केवल स्वयं जीवित रहना नहीं, अपितु अपने जीवन और अपने शरीर के माध्यम से अन्य लोगों के जीवन में भी प्रकाश, आशा और नवजीवन का संचार करना है। अंगदान ऐसा ही महादान है, जो मृत्यु के पश्चात भी जीवन की ज्योति प्रज्वलित रखता है।' प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस का आयोजन समाज में अंगदान के प्रति जनजागरण उत्पन्न करने तथा प्रत्येक नागरिक को इस महान मानवीय संकल्प के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया जाता है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की महानता उसके धन, पद अथवा वैभव से नहीं, बल्कि उसके परोपकार, करुणा और मानवता के प्रति समर्पण से मापी जाती है। यदि किसी व्यक्ति के शरीर के अंग उसके देहावसान के पश्चात किसी अन्य पीड़ित व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकें, तो इससे बड़ा लोककल्याण और कोई नहीं हो सकता। भारतीय संस्कृति में दान को सर्वोच्च पुण्य माना गया है। अन्नदान, विद्यादान, जलदान और रक्तदान की परंपरा हमारे समाज में प्राचीन काल से विद्यमान रही है। इन्हीं महान दानों में अंगदान भी एक ऐसा महादान है, जो किसी परिवार के बुझते हुए दीपक को पुनः प्रज्वलित कर सकता है। किसी अंधकारमय जीवन को दृष्टि प्रदान करना, किसी असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति को नया जीवन देना तथा किसी परिवार की समाप्त होती आशा को पुनर्जीवित करना निस्संदेह महानतम मानवीय सेवा है। आज विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में हुई प्रगति ने यह सिद्ध कर दिया है कि मृत्यु के उपरांत भी अनेक अंग और ऊतक अन्य रोगियों के जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं। नेत्रदान से दृष्टिहीन व्यक्ति को प्रकाश मिल सकता है। यकृत, वृक्क, हृदय, फेफड़े तथा अन्य अंग अनेक रोगियों के जीवन की रक्षा कर सकते हैं। एक अंगदाता अनेक व्यक्तियों के जीवन में आशा का संचार कर सकता है। यही कारण है कि विकसित राष्ट्रों में अंगदान को जनआंदोलन का स्वरूप प्राप्त हो चुका है। दुर्भाग्यवश हमारे देश में आज भी अंगदान के विषय में अनेक भ्रांतियाँ, संकोच और धार्मिक भ्रम विद्यमान हैं। कुछ लोग यह मानते हैं कि अंगदान से धार्मिक परंपराओं का उल्लंघन होता है, जबकि वस्तुतः लगभग सभी प्रमुख धार्मिक परंपराएँ परोपकार, दया और मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानती हैं। किसी पीड़ित मनुष्य को जीवन प्रदान करना ही वास्तविक धर्म है। अतः अंगदान के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से निराकरण करना समय की आवश्यकता है। विशेष रूप से नेत्रदान अत्यंत सरल, सुरक्षित और महत्त्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति के देहावसान के कुछ घंटों के भीतर नेत्र सुरक्षित रूप से प्राप्त किए जा सकते हैं और उनके माध्यम से दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को प्रकाश मिल सकता है। एक परिवार के लिए यह संतोष का विषय होता है कि उनके प्रियजन का जीवन भले ही समाप्त हो गया हो, किंतु उनकी आँखों के माध्यम से संसार का प्रकाश किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में सदा के लिए जीवित रहेगा।

जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वकीलों ने किया अमन दोस्ती यात्रियों का स्वागत

पानीपत में विद्यार्थियों, महिलाओं और युवाओं समेत यात्रा से जुड़े प्रतिभागियों का हुआ सम्मान; देश की एकता और भाईचारे के नारों से गूंजा यात्रा मार्ग

» पानीपत, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

विश्व शांति, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और भारत-दक्षिण एशिया के लोगों के बीच आपसी भाईचारे एवं जन-मैत्री का संदेश लेकर 'आगाज-ए-दोस्ती अमन यात्रा-2026' बुधवार को सुबह गांधी राष्ट्रीय संग्रहालय से संजय सिंह एवं कोमल वशिष्ठ द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना हुई। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शांति, एकता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति एवं शांति से जुड़े गीत प्रस्तुत किए गए। यात्रा में शामिल प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों के बीच पुस्तकों का वितरण भी किया गया। आयोजकों ने कहा कि यह यात्रा महात्मा गांधी, निर्मला देशपांडे और उन सभी शांति कार्यकर्ताओं एवं स्वतंत्रता सेनानियों की विचारधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास है, जिन्होंने मानवता, अहिंसा, सामाजिक सद्भाव और आपसी संवाद को मजबूत करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। राजघाट से रवाना होने के बाद यात्रा बुराड़ी चौक, दिल्ली पहुंची। यहां महात्मा गांधी द्वारा स्थापित हरिजन सेवक संघ के कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों ने यात्रा दल का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत के दौरान शांति एवं राष्ट्रीय एकता के नारों से वातावरण गूंज उठा। प्रतिभागियों ने मिलकर 'हमारा बस एक है नारा—देश की एकता, भाईचारा' जैसे नारे लगाए और लोगों को आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश दिया। इसके बाद यात्रा मुरथल पहुंची, जहां यात्रा दल का स्वागत किया गया। यहां प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में गूंजा गुरु-शिष्य परंपरा का संदेश

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 12 अगस्त । भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र शाखा की ओर से राजकीय उच्च विद्यालय, बेहोली में 'गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय की प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में 600 से अधिक विद्यार्थियों और 25 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरमा' के सामूहिक गायन से हुआ। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुदेश कुमारी ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर परिषद के कोषाध्यक्ष मनोज सेतिया, संपर्क प्रमुख प्रवीण घई तथा राष्ट्रीय संस्कार टीम के सदस्य डॉ. अशोक चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रवीण घई ने विद्यार्थियों को भारत विकास परिषद की अवधारणा, सामाजिक सरोकारों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. अशोक चौधरी ने 'गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन' कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की आधारशिला सदियों पुरानी गुरु-शिष्य परंपरा पर टिकी है। उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस-स्वामी विवेकानंद तथा चाणक्य-चंद्रगुप्त जैसे उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, निष्ठा और संस्कार बनाए रखने का आ'ान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुदेश कुमारी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। भारतीय परंपरा के अनुरूप विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। परिषद की ओर से विद्यालय के 15 मेधावी विद्यार्थियों को माला पहनाकर एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अशोक चौधरी ने परिषद का प्रेरणागीत 'देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें' प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक गीत में स्वर मिलाया। अंत में मनोज सेतिया ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बरवाला की आवासीय कॉलोनियों में सडक निर्माण कार्यों के लिए 16.15 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आबंटित

» हरियाणा, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

बरवाला शहर की आवासीय कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि बरवाला की 7 आवासीय कॉलोनियों में सडक निर्माण कार्यों के लिए शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय द्वारा 16 करोड़ 15 लाख 97 हजार रुपये की राशि आबंटित की गई है। सरकार की ओर से कुल 7 निर्माण कार्यों के लिए फंड आवंटित करने के साथ-साथ 5 कार्यों के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि स्वीकृत कार्यों के तहत विजय विहार कॉलोनी, शहीद भगत सिंह नगर, राजधानी एन्क्लेव एवं राजधानी एन्क्लेव एक्सटेंशन, विकास नगर एवं विजय विहार कॉलोनी, नंद विहार, गोकुल कुंज, प्रशांत विहार, शिव नगर-2 व अन्य कॉलोनियों में सडक निर्माण कार्य करवाए जाएंगे।

ब्यूरो के उप निरीक्षक डॉ. अशोक ग्राम ग्राम तक साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए दे रहे नशा से दूर रहने का संदेश

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 12 अगस्त । हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार के दिशा-निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद एवं ब्यूरो के पुलिस उप-महानिरीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पानीपत बस अड्डे पर चालक प्रशिक्षणार्थियों के

लिए नशा मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर चालक प्रशिक्षण संस्थान के कर्मियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें चालक प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रदेश के ग्राम ग्राम तक साइकिल के साधन से पहुँच रहे हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का उद्देश्य हरियाणा को तीन स्तरों पर नशा मुक्त बनाना है। पहला, प्रवर्तन (इनफार्समेंट) के माध्यम से नशा तस्करों और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर उन्हें सलाखों तक पहुँचाना और साथ ही नशे के व्यापार से अर्जित सम्पति को नष्ट करना। दूसरा, जागरूकता (जागरूकता) के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना।

तीसरा, उपचार एवं पुनर्वास (ट्रिटमेंट एण्ड रिहेबीटेशन) के माध्यम से नशे की लत से पीड़ित व्यक्तियों का उपचार कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाना।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति को उपचार योग्य पीड़ित मानती है और उसके पुनर्वास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. वर्मा ने चालक प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि एक जिम्मेदार चालक को हमेशा तीन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए—पहला, नींद पर नियंत्रण रखें - अर्थात रात्रि में पूर्ण विश्राम करें। दूसरा, क्रोध पर नियंत्रण रखें, क्योंकि क्रोध में लिया गया निर्णय दुर्घटना का कारण बन सकता है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

क्या विपक्ष संसद में अमित शाह को घेरेगा?

संदीप शर्मा

शुरूआत इसी हेडलाइन से करते हैं -- क्या विपक्ष संसद में अमित शाह को घेर पाएगा? अगर हाँ, तो पिछले 12 सालों में ऐसा पहली बार होगा। विपक्ष संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जवाब सुनना चाहता है। सवाल तीखे और अहम होंगे -- जैसे कि पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया, और पुलिसकर्मी बिना नेमप्लेट के क्यों मौजूद थे। सरकार ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा का प्रस्ताव दिया है। जाहिर है, विपक्ष जवाब चाहता है। और जवाबदेही की मांग और चर्चा के प्रस्ताव के बीच भारतीय राजनीति का एक बहुत ही लचीला शब्द आता है: संवाद। संवाद वह चीज है जो सरकारें तब पेश करती हैं जब उन्हें सवाल तो पसंद नहीं होता, लेकिन वे बातचीत से बच भी नहीं सकतीं। छात्र पहले ही अपना पक्ष साफ कर चुके हैं। विपक्ष अब यह मामला संसद में ले आया है। सरकार का भी कहना है कि उसे इस पर चर्चा करने में कोई दिक्कत नहीं है।

तो सब एक बात पर सहमत हैं: चर्चा होगी। दिलचस्प सवाल यह है कि असल में किस बात पर चर्चा होगी। क्योंकि राजनीतिक चचाओं में कमरे के बीच रखी उस चीज को छुए बिना, जो असहज करती है, बाकी चीजों को इधर-उधर करने की अद्भुत क्षमता होती है। परीक्षा प्रणाली, विरोध-प्रदर्शन, आरोप, पुलिस की कार्रवाई, और शायद यह बड़ा सवाल भी कि जब युवा सड़कों पर उतरने का फैसला करते हैं तो सरकारों को कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए -- इन सब पर बात होगी। और फिर, जाहिर है, इन सबके इर्द-गिर्द राजनीति भी होगी।

'भागो मत' (donlt run away) वाला जुमला इस पूरी स्थिति को और भी दिलचस्प बना देता है। आखिरकार, कोई यह तो नहीं कह रहा कि अमित शाह जवाब नहीं देना चाहते। यह जुमला राजनीति की एक संक्षिप्त भाषा है -- एक मांग कि सरकार मुद्दे से पीछे न हटे। लेकिन उनका जवाब क्या होगा, इसे जानने के लिए हर कोई उत्सुक है। लेकिन एक बार जब आप इसे सुनते हैं, तो भारतीय राजनीतिक संवाद के बेतुकेपन की कल्पना किए बिना नहीं रह सकते: एक पक्ष कहता है, 'हमें जवाब दो।' दूसरा कहता है, 'हम चर्चा के लिए तैयार हैं।' और हर कोई यह जानने का इंतजार करता है कि क्या 'चर्चा' का मतलब 'जवाब' है या यह बस विषय बदलने का एक ज्यादा सम्मानजनक तरीका है। विपक्ष चाहेगा कि सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई का हिसाब दे। और यह पूछना चाहेगा कि इसकी ज़िम्मेदारी किसकी है? और इस सवाल पर हंगामा होने की पूरी संभावना है। और फिर, संसद में ऐसी स्थिति बन सकती है जहाँ सरकार कहे कि विपक्ष बात नहीं सुन रहा है और विपक्ष कहे कि सरकार जवाब नहीं दे रही है। और सरकार यही चाहेगी कि यह मुद्दा खत्म हो जाए।

चिंतन-मनन : जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है: जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है।

जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है।

जंतर मंतर-रांची :छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते।

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान

अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं।

इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन अक्रअ की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया।

मीडिया की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा का सवाल...?

प्रभुनाथ शुक्ल

पत्रकारिता और बदलते दौर का सच एक आम विमर्श का मुद्दा बन गया है। अमूमन यह देखा जा रहा है कि आमतौर पर देश के ज्वलंत मुद्दों पर सत्ता और संस्थाओं पर सवाल उठाने के बजाय सबसे पहले मीडिया को घेरे में लिया जाता है और उसकी विश्वसनीयता का संकट खड़ा हो जाता है और उसे कठघरे में खड़ा किया जाता है। पत्रकारिता की स्वतंत्रता, उसके दायित्व और लोकतंत्र में उसकी भूमिका पर गंभीर विमर्श करना आवश्यक है।

लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ कहा जाता है। सत्ता चाहे किसी भी दल की हो, पत्रकारिता का मूल दायित्व सत्ता का गुणगान करना नहीं, बल्कि जनता के सवालों को सामने लाना और शासन-प्रशासन से जवाब मांगना है। हालांकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार अगर अच्छा काम कर रही है तो हमारा दायित्व बनता है कि हम उन कार्यों को भी समाज के सामने रखें सिर्फ नैरेटिव के तहत सरकारों को बदनाम करना यह पत्रकारिता नहीं है। हां लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार लोकहित संरक्षण के लिए सबसे पहले जवाब दे है।

लेकिन बदलते दौर में पत्रकारिता और सत्ता के बीच संबंधों को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह चिंता लगातार सामने आ रही है कि पत्रकारों और पत्रकारिता के खिलाफ एक नकारात्मक नैरेटिव तैयार किया जा रहा है। सत्ता के पक्ष में लिखने-बोलने वाले पत्रकारों को सम्मान और मंच मिलना तथा जमीनी मुद्दों और सरकार से असहज सवाल पूछने वाले पत्रकारों को

कानूनी कार्रवाई, दबाव या विवादों का सामना करना। लोकतंत्र के लिए स्वस्थ संकेत नहीं कहा जा सकता।

हाल में झारखंड में पत्रकार अमन चोपड़ा के खिलाफ दर्ज एफआईआर का मामला भी इसी बहस का हिस्सा बन गया है। मैं यह दावा नहीं कर रहा कि अमन चोपड़ा किस विचारधारा के समर्थक हैं या किस राजनीतिक विचार के पक्षधर हैं। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि वे एक पत्रकार हैं और यदि उन्होंने झारखंड में चल रहे छात्र आंदोलन की कवरेज की है, तो सवाल यह भी उठता है कि उनके खिलाफ ही एफआईआर क्यों दर्ज की गई? क्या उसी आंदोलन की कवरेज करने वाले अन्य पत्रकारों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई हुई? यदि नहीं हुई तो ऐसा अंतर क्यों? यह सवाल किसी व्यक्ति विशेष के समर्थन का नहीं, बल्कि पत्रकारिता के अधिकार और समान मानदंड का है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं किसी सरकार का न तो समर्थक हूं और न विरोधी। मेरा मानना है कि पत्रकारिता का काम सत्ता के पक्ष या विपक्ष में खड़ा होना नहीं, बल्कि तथ्यों के पक्ष में खड़ा होना है। जो खबर है, वह खबर के रूप में सामने आनी चाहिए। पत्रकार को भी किसी राजनीतिक या वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त होकर घटनाओं की रिपोर्टिंग करनी चाहिए। लेकिन यदि कोई पत्रकार तथ्यात्मक और निष्पक्ष तरीके से किसी आंदोलन, प्रदर्शन या जनसमस्या को सामने रखता है, तो केवल उसकी रिपोर्टिंग के आधार पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का सवाल निश्चित रूप से विचारणीय है। हालांकि उसने कुछ निर्धारित नैरेटिव के तहत अगर रिपोर्टिंग की गई है यह गलत है हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून क्यों नहीं?

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद और राज्य विधानसभाओं में पत्रकारों की सुरक्षा तथा उनकी पेशेवर स्वतंत्रता को लेकर गंभीर चर्चा हो। पत्रकारों को खबरों की रिपोर्टिंग करते समय भयमुक्त वातावरण मिले, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। यदि किसी पत्रकार के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है, तो यह देखा जाना चाहिए कि मामला वास्तव में आपराधिक कृत्य का है या पत्रकार द्वारा की गई रिपोर्टिंग और अभिव्यक्ति से जुड़ा है।

पत्रकार गलत हो तो कानून अपना काम करे, लेकिन केवल असहमति, आलोचना या रिपोर्टिंग के कारण पत्रकार को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़े, तो यह चिंता का विषय है। मेरी राय में देश में ऐसा स्पष्ट कानूनी ढांचा होना चाहिए जिसमें पत्रकारों की पेशेवर स्वतंत्रता की रक्षा हो और साथ ही पत्रकारिता की आड़ में कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी निष्पक्ष कार्रवाई का रास्ता खुला रहे।

टाटा संस में नेतृत्व बदलाव की अटकलें तेज, एजीएम से पहले चेयरमैन पद छोड़ सकते हैं एन. चंद्रशेखरन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त**

टाटा समूह के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने अपने करीबी सहयोगियों के साथ वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले पद छोड़ने की संभावना पर चर्चा की है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है जब उनके निदेशक पद पर पुनर्नियुक्ति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और समूह के भीतर कुछ अहम मुद्दों पर मतभेदों की खबरें भी सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चंद्रशेखरन इस विकल्प पर विचार कर रहे हैं कि वह

अपना भविष्य शेयरधारकों के संभावित विवादास्पद मतदान पर छोड़ने की बजाय स्वयं इस्तीफा दे दें। हालांकि टाटा संस की ओर से ऐसी खबरों पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हालांकि चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 तक जारी है, लेकिन चेयरमैन पद पर बने रहने के लिए उनका टाटा संस के निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्त होना जरूरी है। कंपनी की एजीएम में 18 अगस्त को उनके निदेशक पद पर पुनर्नियुक्ति के प्रस्ताव पर शेयरधारकों द्वारा मतदान किया जाना है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह अनिश्चितता टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और एन. चंद्रशेखरन के बीच कुछ मुद्दों पर मतभेदों से जुड़ी बताई जा रही है। टाटा ट्रस्ट्स, टाटा संस का सबसे बड़ा शेयरधारक है और समूह की रणनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बताया जा रहा है कि फरवरी में टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर फैसला टाल दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा ने समूह के कुछ नए कारोबारों के प्रदर्शन को लेकर चिंता जताई थी। इसी वजह से बोर्ड ने इस विषय पर अंतिम निर्णय को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

एन. चंद्रशेखरन का टाटा समूह के साथ लंबा जुड़ाव रहा है। उन्होंने वर्ष 1987 में समूह में अपने करियर की शुरुआत की थी। बाद में वह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बने और कंपनी को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गिग वर्कर्स एनपीएस में 99 रुपए के छोटे योगदान से शुरू कर सकते हैं निवेश, रिटायरमेंट फंड बनाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट और अर्बन कंपनी जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ काम करने वाले गिग वर्कर्स के लिए खुशखबरी है। अब वे भी केवल 99 रुपए के छोटे से योगदान से शुरूआत कर नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के जरिए रिटायरमेंट के लिए फंड बना पाएंगे। यह जानकारी बुधवार को पीएफआरडीए की ओर से दी गई। एनपीएस का प्रबंधन करने वाली सरकारी एजेंसी पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एनपीएस फ्रेमवर्क के लचीलेपन के बारे में बताया। रेगुलेटर ने कहा कि वर्कर्स 99 रुपए से योगदान शुरू कर सकते हैं और अपनी गति से निवेश जारी रख सकते हैं, क्योंकि इसमें योगदान की कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा तय नहीं है। पोस्ट में आगे कहा गया कि आपका काम बेशक, आपकी अगली बुकिंग पर निर्भर करता है, लेकिन आपका रिटायरमेंट नहीं। साथ ही लिखा कि प्लेटफॉर्म वर्कर्स एनपीएस के तहत केवल 99 रुपए के योगदान से शुरूआत कर सकते हैं। इसमें अधिकतम या न्यूनतम योगदान की कोई सीमा नहीं है। एनपीएस ई-श्रमिक (प्लेटफॉर्म सर्विस पार्टनर) मॉडल को पीएफआरडीए ने 29 अक्टूबर, 2025 के एक सर्कुलर के जरिए शुरू किया था, ताकि गिग और प्लेटफॉर्म वर्करों को एनपीएस फ्रेमवर्क के दायरे में लाया जा सके। यह मॉडल उन लोगों के लिए है जो सर्विस कॉन्ट्रैक्ट के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए यूजर्स को सेवाएं देते हैं।

संक्षिप्त खबरें

रुपया छह पैसे टूटकर 95.42 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 12 अगस्त । रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने और अमेरिका-ईरान के बीच जल्द समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की उम्मीद कमजोर पड़ने से रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में शानदार बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । बीते महिने जुलाई 2026 के दौरान देश के लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस महीने कुल 701 लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों का पंजीकरण हुआ, जो जुलाई 2025 की 440 यूनिट्स की तुलना में 59.3 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जून 2026 में दर्ज 847 यूनिट्स के मुकाबले जुलाई में 17.2 प्रतिशत की गिरावट भी देखने को मिली। इसके बावजूद प्रीमियम ग्राहकों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग इस सेगमेंट के लगातार विस्तार का संकेत दे रही है। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, बीएमडब्ल्यू ने 368 इलेक्ट्रिक कारों के पंजीकरण के साथ बाजार में पहला स्थान बरकरार रखा।

एवोर ने बढाई ओला और एथर जैसी कंपनियों के लिए चुनौती

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अब एवोर ने अपनी नई ईवी बाइक श्रृंखला पेश कर दी है। इस के साथ ही ओला और एथर जैसी कंपनियों के लिए चुनौती भी बढ़ा दी है। कंपनी ने एवोर ईएक्स2एस मॉडल को केवल 799 रुपये में अग्रिम बुकिंग के लिए उपलब्ध कराया है, जिसमें एक बार चार्ज करने पर 260 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज का दावा किया गया है। ईएक्स2एस श्रृंखला का प्रमुख मॉडल है, जिसमें 5 किलोवाट-घंटे की बैटरी और 114 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है। इसमें 7 इंच की स्पर्श स्क्रीन और पांच विभिन्न ड्राइविंग मोड जैसी आधुनिक सुविधाएं भी दी गई हैं।

मिल्की मिस्ट आईपीओ: आरएचपी में 229 करोड़ रुपए की संभावित देनदारियां

बिक्री के लिए दक्षिण भारत पर निर्भरता जैसे बड़े जोखिम शामिल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड ने अपनी आरएचपी (रेड डेरिंग प्रॉस्पेक्टस) में 229 करोड़ रुपए की संभावित देनादारियों, बिक्री के लिए दक्षिण भारत और तमिलनाडु से दूध की खरीद पर निर्भरता को प्रमुख जोखिम बताया है। मिल्की मिस्ट का आईपीओ 11 अगस्त से 13 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खोला हुआ है।

कंपनी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2026 में उसके कच्चे दूध की खरीद का 94.5 प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु से आया था। इस वजह से खराब मौसम, मवेशियों में बीमारी फैलने, किसानों के विरोध-प्रदर्शन, पॉलिसी में बदलाव और राज्य में आपूर्ति की कमी जैसी रुकावटें कंपनी के लिए बड़ा जोखिम हैं।

इसके अलावा, मिल्की मिस्ट ने कहा कि तमिलनाडु में किसी भी बड़ी रुकावट से अच्छी क्वालिटी वाले दूध (जो उसका मुख्य कच्चा माल है) की पर्याप्त मात्रा में खरीद करने की उसकी क्षमता पर असर पड़ सकता है, और इससे प्रोडक्शन, बिक्री और मुनाफे को नुकसान हो सकता है। आरएचपी में मिल्की मिस्ट ने आगे कहा कि कंपनी को एक ही इलाके पर निर्भरता का जोखिम का भी सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वित्त वर्ष 2026 में इसके ऑपरेशन से होने वाली कुल कमाई का 69.2 प्रतिशत हिस्सा दक्षिण भारत से आया है। कंपनी ने कहा कि इस इलाके में आर्थिक मंदी, प्रतिस्पर्धा का दबाव, ग्राहकों की पसंद में बदलाव, नियमों में बदलाव या प्राकृतिक आपदाओं का इसके कारोबार पर बहुत अधिक असर पड़ सकता है।

निर्भरता के मामले में, कंपनी ने यह भी बताया कि वित्त वर्ष 2026 में पनीर, चीज और दही से कुल कमाई का 59.1 प्रतिशत हिस्सा आया। इसके अलावा, कंपनी ने 31 मार्च, 2026 तक लगभग 229 करोड़ रुपए की आकस्मिक देनदारियों की जानकारी दी। इसमें एक्सपोर्ट प्रमोशन कैपिटल गुड्स (ईपीसीजी) स्कीम के तहत एक्सपोर्ट से जुड़ी देनदारियां, विवादित कानूनी देनदारियां और बैंक गारंटी शामिल हैं। कुल आकस्मिक देनदारियों में से ईपीसीजी से जुड़ी देनदारियां 195 करोड़ रुपए की थीं। मिल्की मिस्ट के अनुसार, अगर कंपनी इस स्कीम के तहत एक्सपोर्ट की शर्तों को पूरा नहीं कर पाती है, तो उसे ड्यूटी से मिले फायदों के साथ-साथ लागू ब्याज और पेनल्टी भी चुकानी पड़ सकती है।

कंपनी कई जीएसटी डिमांड्स का भी विरोध कर रही है। उसने बताया कि उसे इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम, क्लासिफिकेशन से जुड़े विवादों और अन्य मुद्दों से संबंधित टैक्स डिमांड्स मिली हैं, और उसने कुछ आदेशों को न्यायिक और अपीलीय अधिकारियों के सामने चुनौती दी है। कंपनी ने बताया कि एक और बड़ा जोखिम कारोबार का एक ही जगह पर केंद्रित होना है।

यूपीआई लेन-देन पर शुल्क का विवादः उपयोगकर्ताओं के लिए मुफ्त रहेगा लेन-देन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के बीच, वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में पेश किए एक विधेयक ने यूपीआई और रुपे पे डेबिट कार्ड लेनदेन पर संभावित शुल्क को लेकर अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। इस कदम से सवाल उठने लगे हैं कि क्या भारत ने अमेरिकी दबाव में आकर अपने डिजिटल भुगतान प्रणाली में बदलाव किए हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए लेनदेन पूरी तरह से मुफ्त रहेगा और इस पर कोई चार्ज नहीं लगेगा।

दरअसल, अमेरिकी सरकार लंबे समय से भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सिस्टम पर आपत्ति जाहिर करती रही है। अमेरिका ने भारत को उन देशों की सूची में शामिल किया है, जो उसकी वीजा और मास्टरकार्ड जैसी बड़ी पेमेंट कंपनियों के साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार कर रहे हैं। इस साल मार्च में, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने भारत की डिजिटल भुगतान नीतियों को विदेशी व्यापार में बाधा बताया था, उनका कहना था कि ये नीतियां घरेलू कंपनियों को लाभ पहुंचाती हैं। भारत में यूपीआई लेनदेन अपनी आसानी और शून्य लेनदेन शुल्क के कारण तेजी से लोकप्रिय हुए हैं, जिससे अमेरिका की पेमेंट कंपनियों में चिंता बढ़ गई है। प्रस्तावित विधेयक, जिसे टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल, 2026 के रूप में जाना जाता है, पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में बदलाव का प्रस्ताव करता है। इस पर कांग्रेस पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि यह बदलाव अमेरिकी दबाव का परिणाम है।

किआ सोरेंटो एसयूवी की बुकिंग्स प्रारंभ, 4 को होगी लांच

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त ।**

किआ इंडिया कंपनी अगले महीने यानि की 4 सितंबर को ब्रांड न्यू एसयूवी लॉन्च करने वाली है। इसके लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है। इसी के साथ कंपनी पहली बार हाइब्रिड एसयूवी सेगमेंट में भी कदम रखेगी। किआ सोरेंटो का लुक काफी अट्रैक्टिव है। इसके फ्रंट में नई डिजाइन वाली वर्टिकल एलईडी हेडलाइट्स और टेललाइट्स, टी-शेप डीआरएलएस, कंपनी की सिग्नेचर टाइगर नोज ग्रिल दी गई है। भारत में इसे 4,815 मिमी की लंबाई, 1,900 मिमी की चौड़ाई और 1,700 मिमी की ऊँचाई के साथ और 2,815 मिमी के व्हीलबेस के साथ पेश किया जाएगा। नई सोरेंटो का इंटीरियर भी काफी शानदार होगा। इसमें प्रीमियम केबिन मिलेगा। साथ ही इसमें 6 और 7 सीटर ऑप्शन भी अवेलेबल होंगे। इसमें आपको नया 4-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, वर्टिकल एसी वेंट्स और रोटरी ड्राइव सिलेक्टर भी मिलेगा। इसके अलावा आपको नई सोरेंटो में कई आधुनिक और प्रीमियम फीचर्स मिलने की उम्मीद भी है। किआ ने इस एसयूवी में 2 इंजन ऑप्शन पेश किए हैं।

पहला 1.6-लीटर टर्बो-पेट्रोल हाइब्रिड इंजन होगा, जो इलेक्ट्रिक मोटर के साथ मिलकर 238 एचपी और 380 एनएम टॉर्क जेनरेट करेगा। इसके अलावा दूसरा ऑप्शन 2.2-लीटर डीजल इंजन होगा, जिससे 202 एचपी और 441 एनएम टॉर्क मिलेगी। दोनों इंजन ऑप्शन के साथ ऑटोमेटिक गियरबॉक्स मिलने की उम्मीद है। आपको इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, ड्युल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस एंड्राएड ऑटो और एप्पल कारप्ले, पावर्ड ड्राइवर सीट, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग, वायरलेस फोन चार्जर, हेड-अप डिस्प्ले की सुविधा मिलेगी। सेफ्टी के लिए लेवल-2 अडास सेफ्टी सिस्टम शामिल किया गया है।

बजाज ऑटो ने पेश की एन160 एस और एन160 एसएस बाइक

नईदिल्ली, यूटर्न/ 12 अगस्त । भारतीय बाजार में बजाज ऑटो ने दो नई मोटरसाइकिलें, एन160 एस और एन160 एसएस को पेश किया है। कंपनी ने इन्हें पल्सर की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर लॉन्च किया है। ये दोनों मॉडल मौजूदा एन160 से अधिक दमदार इंजन और आधुनिक तकनीक के साथ आए हैं। दोनों नई मोटरसाइकिलों में 164.5 घन सेंटीमीटर क्षमता वाला नया चार-वाल्व इंजन दिया गया है, जो 18.5 हॉर्सपावर की अधिकतम शक्ति और 14.4 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है। यह मौजूदा एन 160 के 16 हॉर्सपावर वाले दो-वाल्व इंजन से काफी अधिक शक्तिशाली है। कंपनी का दावा है कि ये मोटरसाइकिलें महज 4.5 सेकंड में शून्य से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती हैं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल प्रणाली दी गई है, जिससे इंजन की प्रतिक्रिया अधिक सहज होती है और चालक को बेहतर नियंत्रण मिलता है। साथ ही, चार अलग-अलग सवारी मोड झ रेन, स्पोर्ट, रोड और ऑफ-रोड झ सड़क और मौसम की स्थिति के अनुसार चुने जा सकते हैं। अधिक महंगे एन160 एसएस मॉडल में ट्रैक्शन कंट्रोल की सुविधा भी मिलती है, जो फिसलन वाली सड़कों पर मोटरसाइकिल को नियंत्रित रखने में मदद करती है। एन160 एसएस में 5 इंच की टीएफटी स्क्रीन दी गई है, जिस पर गूगल मैप्स के जरिए मार्ग निर्देशन की जानकारी भी दिखाई जा सकती है, जिसे बजाज भारतीय बाजार में किसी स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल में पहली बार दे रहा है। डिजाइन के मामले में, एन160 एसएस में नए और अधिक धारदार ग्राफिक्स, रंगीन मिश्रधातु के पहिए, और बेहतर आराम के लिए हैंडलबार तथा सीट की ऊंचाई में बदलाव किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

कुत्तों का आतंक, 49 लोग पहुंचे अस्पताल

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त । शिवरात्रि पर शहर में कांवड़ियों की आवाजाही के बीच कुत्तों के हमले की घटनाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। अलग-अलग इलाकों में कुत्तों के काटने से पांच कांवड़ियों समेत 49 लोग घायल हो गए। हमले के बाद सभी लोग उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल और संयुक्त जिला अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई और निर्धारित समय पर इसकी सभी डोज लगवाने की सलाह दी। एमएमजी अस्पताल में कुत्ते के काटने के बाद 28 लोग उपचार के लिए पहुंचे। इनमें बजरिया निवासी चार वर्षीय आदित्य, माधोपुरा निवासी 55 वर्षीय रामआसरे, 32 वर्षीय सुशील और प्रताप विहार निवासी 22 वर्षीय विवेक समेत पांच कांवड़िए शामिल रहे। अस्पताल में सभी को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। डॉक्टरों ने मरीजों को वैक्सीन की बाकी डोज तय समय पर लगवाने के लिए शेड्यूल भी बताया। वहीं संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में भी कुत्तों के काटने के 21 मामले सामने आए। यहां पहुंचे सभी लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद आगे की तीन डोज का शेड्यूल दिया गया।

खोड़ा की पांच मंजिला इमारत के मीटर पैनल में आग लगी, बड़ा हादसा बचा

खोड़ा, यूटर्न/ 12 अगस्त । नवनीत विहार स्थित पांच मंजिला अपार्टमेंट में बड़ा हादसा बच होते-होते बच गया। इमारत के मीटर पैनल में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई और समय रहते काबू पा लिय गया। इमारत में मंगलवार सुबह करीब छह बजे बिजली मीटर पैनल से अचानक आग की लपटें उठ रही थीं। निवासी सलमान ने बताया कि आग लगने के बाद लोगों ने तत्काल ऊर्जा निगम को सूचना देकर बिजली बंद कराई और आसपास के लोगों ने पानी और अग्निशमन उपकरणों की मदद से बुझाया गया। वहीं, महिला व बच्चों को छत पर भेजकर सुरक्षित किया गया। समय रहते लोगों के एकजुट होने बड़ा हादसा बच गया। स्थानीय सभासद प्रिया गुप्ता ने इमारत के निर्माण और बिजली कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि इमारत अवैध रूप से बनी है। इतने कनेक्शन एक साथ देने के बजाय उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर आपूर्ति की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि विद्युत पैनल में आग लगी थी और दमकल टीम के पहुंचने से पहले ही इसे बुझा दिया गया था।

भ्रम में न पड़ें, घर के कनेक्शन पर खुद का वाहन कर सकते हैं चार्ज

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त।

ईवी को खुद के बिजली कनेक्शन से चार्ज करना अनुचित नहीं है। ऊर्जा निगम के अफसरों ने इसको लेकर स्थिति स्पष्ट की है। हालांकि, वाहन का उपयोग व्यावसायिक गतिविधि के लिए नहीं होना चाहिए। न ही दूसरों के वाहन को उपभोक्ता चार्ज करा सकता है।

जिले में 70 हजार से ज्यादा ईवी पंजीकृत और करीब 35 हजार गैर-पंजीकृत हैं। इन वाहनों को चार्ज करने के लिए वाहन स्वामियों के पास अब तक कोई गाइडलाइन नहीं थी। यह लोग अपने घरेलू कनेक्शन से इनको चार्ज कर रहे हैं, लेकिन कई लोग इसमें आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। अफसरों से इसकी शिकायत की जा रही है। कई लोग आरोप लगा रहे कि बाहर से चार्ज करना महंगा है। इसके चार्ज अलग हैं, घरेलू कनेक्शन से चार्ज करने पर ऊर्जा निगम को राजस्व की हानि हो रही है। ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि खुद के वाहन को घर के कनेक्शन से चार्ज करना अनुचित नहीं है लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग पूरी तरह गलत है। यानी उपभोक्ता का वाहन अपना होना चाहिए और उस वाहन को व्यावसायिक उपयोग में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा घरेलू कनेक्शन पर दूसरे लोगों के वाहन चार्ज कराकर उनसे पैसा वसूलने में भी कार्रवाई होगी। इसके लिए उपभोक्ता की बिजली खपत के रिकॉर्ड का अध्ययन कर छापा भी मारा जा सकता है। हालांकि, घरेलू कनेक्शन पर ईवी को चार्ज करने के लिए जरूरत के हिसाब से लोड स्वीकृत कराने और चार्जिंग पॉइंट की वायरिंग भी नियमानुसार कराने की अपील की जा रही है।

विदित हो कि ऊर्जा निगम के अफसरों को बीते करीब एक माह में 300 से अधिक शिकायतें मिल चुकी हैं। इसमें लोग आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग घर के कनेक्शन से अपने वाहन को चार्ज कर रहे हैं। वहीं, 100 से अधिक लोग अफसरों से इसकी जानकारी करने पहुंच रहे हैं कि वह अपने घरेलू कनेक्शन से अपना वाहन चार्ज कर सकते हैं या नहीं।

बढ़ रही ईवी चार्जिंग स्टेशन की संख्या

जिले में 400 से अधिक चार्जिंग पॉइंट बनाए गए हैं। इनसे ऊर्जा निगम 5.90 रुपये प्रति यूनिट से लेकर 7.70 रुपये प्रति यूनिट तक वसूली जाती है। चार्जिंग स्टेशन संचालक वाहन स्वामियों से इसके दोगुने तक चार्ज वसूल रहे हैं। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि नए चार्जिंग स्टेशन के लिए नए आवेदन भी मिले हुए हैं। इनकी जांच की जा रही है। जल्द ही चार्जिंग स्टेशन की संख्या बढ़ जाएगी।

दुकान मालिकों पर दर्ज हुई रिपोर्ट, प्रशासन ने बैठाई जांच

» लोनी, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

बॉर्डर थानाक्षेत्र के गुलाब वाटिका कॉलोनी स्थित दो मंजिला हार्डवेयर की दुकान की छत गिरने से श्रमिक की मौत के मामले में दुकानदार भाईयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए प्रशासन के सहयोग से दुकान को भी बंद करा दिया है। अब जीडीए और पीडब्ल्यूडी की टीमें दुकान का निरीक्षण कर जांच रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मूलरूप से बाराबंकी थाना कोठी बलनीपुरे निवासी सुशील ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भाई मुकेश (20) लोनी की गुलाब वाटिका कॉलोनी में किराए पर रहते थे। वह दिल्ली शाहदरा निवासी कुणाल जैन और अभिषेक जैन की सैनेट्री व हार्डवेयर की दुकान पर नौकरी करते थे। सुशील ने आरोप लगाया कि दुकान की छत मानकहीन और जर्जर हालत में थी। उनके भाई मुकेश ने एक अगस्त को दुकान मालिक को छत का लोहे का गर्डर खिसकने की सूचना भी दी थी, लेकिन दुकान मालिक ने मुकेश को डांट दिया था। इसके बाद दोनों भाईयों ने दुकान की जर्जर हालत में छत होने के बावजूद तीसरी मंजिल पर निर्माण कार्य को जारी रखा। यह बात खुद मुकेश ने फोन पर उन्हें बताई थी। मंगलवार को राजमिस्त्री अजीत दूसरी मंजिल पर कमरे में प्लास्टर कर रहे थे और अचानक वही छत भरभराकर नीचे वाली छत पर आ गिरी। इससे पहली और भूतल की छत के नीचे अजीत, मुकेश और जतिन मलबे में दब गए। लोगों ने किसी तरह अजीत और जतिन को तो मलबे से बाहर निकाल लिया, लेकिन मुकेश को चार घंटे बाद ही निकाला जा सका। उनका आरोप है कि दुकान मालिकों ने बचाव कार्य नहीं करने दिया गया। पुलिस व एसडीआरएफ करीब नौ बजे मुकेश को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां मुकेश को मृत घोषित कर दिया।

महिला कर्मचारी से दोस्ती में बाधा बनने पर की थी सुपरवाइजर की हत्या, गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 12 अगस्त । फैक्टरी सुपरवाइजर अनवेश की हत्या के आरोपी कारीगर सर्वेश को ट्रोनिका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे हत्या में प्रयुक्त कैंची भी बरामद कर ली है। आरोपी ने पुलिस के समक्ष कबूल किया वह महिला कर्मचारी से दोस्ती में बाधा बन रहा था। उसने फैक्टरी में ही लड़की के सामने कई बार बेइज्जत किया था। इसी बात से नाराज होकर अनवेश की हत्या की थी। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि अनवेश की हत्या में पुलिस ने जनपद एटा के थाना बागवाला ग्राम बरौली, हाल पता पूजा कॉलोनी निवासी सर्वेश भी सुपरवाइजर अवनेश की फैक्टरी में ही चार साल से काम करता था। वहां पर काम करने वाली एक युवती को चाहता था और उससे नजदीकी बढ़ाने के दोस्ती करना चाह रहा था। कई बार उनको मिलते हुए अनवेश ने देखा तो डांटते हुए बुरी तरह बेइज्जत किया था। इसके बाद तो युवती से मिलने में बाधा बनने लगा

था और इसी बात से वह नाराज था। इसके बाद अनवेश की हत्या की साजिश रची थी। हत्यारोपी ने पुलिस के समक्ष कबूल किया कि मंगलवार को जब उसने अनवेश को कटिंग सेक्शन रूम में जाते देखा तो हत्या के इरादे से वह उसके रूम में गया, लेकिन वहां पर उसका बड़ा भाई मौजूद था। इसके बाद वह लौट गया और उसके जाने के बाद फिर से कमरे में गया और सोए हुए अनवेश के सिर व गर्दन पर कैंची से हमला कर दिया।

तांबा और लोहा चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 12 अगस्त । पुलिस ने चेकिंग के दौरान मंगलवार को ट्रोनिका सिटी क्षेत्र स्थित अंबे चौक से चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 35 किग्रा तांबे का तार, बाइक और तार कटर बरामद हुआ है। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम नईम और मोहिन निवासी गांव बदरपुर ट्रोनिका सिटी बताएं है। गिरफ्तार आरोपी अपने तीन अन्य साथी सोहेल, वसीम और फुरकान के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। तीन दिन पहले यूपीसीडा के नवादा गांव के पास बंद प्लांट से मोटर से तांबे का तार व लोहे का सामान चोरी कर लिया था। प्लांट पर तैनात कर्मचारी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की थी। बरामद बाइक कुछ दिन पूर्व दिल्ली भजनपुरा से चोरी की थी।

घर से तीन माह का मासूम चोरी, पड़ोसी दंपती पर आरोप

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त

टीलामोड़ थानाक्षेत्र के करनगेट से कमरे में सो रहे तीन माह के मासूम को चोरी करने का आरोप पड़ोसी दंपती पर लगा है। पीड़ित पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि महिला बच्चों के साथ भीख मांगती है।

उनको संदेह है कि आरोपी उनके मासूम बेटे को भी भींख मांगने या उसे बेचने के लिए चोरी किया गया है। पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद आरोपी दंपती की लोकेशन पहले मुजफ्फरनगर और फिर सोनीपत मिली है। पुलिस आरोपियों के नजदीकियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर बच्चे की तलाश में जुटी है। मूलरूप से अलीगढ़ के अकराबाद निवासी फुरकान परिवार के साथ टीला मोड़ थानाक्षेत्र के करनगेट गली नंबर चार में किराये पर रहते हैं। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। उनके पड़ोस में मूलरूप से मुजफ्फनगर के दतियाना निवासी नौसाद अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ वहीं किराये पर रहता है।

वह स्वयं कबाड़ का काम करता है और उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ भीख मांगने काम करती है। फुरकान ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि सोमवार को वह अपने काम पर गए थे। उसी दौरान उनकी पत्नी कमरे में सो रहे तीनों बच्चों को छोड़कर पास में पानी लेने चली गई।

जब वह पानी लेकर लौटीं तो देखा की उनका तीन माह का बच्चा गायब है। उन्होंने बेटे को आसपास में तलाश किया, लेकिन मासूम का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने पड़ोसी दंपती को फोन लगाया, लेकिन पहले तो उन्होंने कॉल पिक नहीं की। जब कई बार फोन मिलाया तो एक बार बात हुई, लेकिन बेटे की बात सुनकर वह घबरा गए और सही से जानकारी दिए बिना ही फोन काट दिया। इसके बाद वह उनके कमरे पर गईं तो पाया कि दंपती सामान से के साथ कमरे से गायब थे। पीड़ित पिता ने शिकायत में संदेह जताया है कि उनके बेटे को पड़ोसी नौसाद और उसकी पत्नी ने बेचने या उसे लेकर भीख मांगने के लिए चुराया है। पुलिस ने शिकायत के बाद जांच शुरू की तो आरोपी दंपती की लोकेशन पहले तो मुजफ्फनगर की आई और फिर सोनीपत में पहुंच गई।

आरोपियों पर संदेह के यह है प्रमुख कारण

पीड़ित परिजन का आरोप है कि आरोपी महिला अकसर उनके घर आकर बच्चे के साथ खेलती थी और उसे दुलारती थी।

अकसर उसे अपने साथ ले जाने की जिद करती थी, लेकिन पीड़ित की मां इन्कार कर दिया करती थी। इस बात को लेकर भी पीड़ित दंपती को आरोपियों पर संदेह है। वहीं, आरोपी न तो फोन पर सही जवाब दे पाए और घर से सामान लेकर भी उसी समय भाग गए। इन सभी को देखते हुए पीड़ितों को आरोपियों पर संदेह है।

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर टीला मोड़ थाने में दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके लोकेशन के आधार पर सोनीपत और मुजफ्फरनगर के लिए टीमें रवाना कर दी है। उनके कई करीबियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही बच्चे को सकुशल वापस लाया जाएगा।

7.60 करोड़ की ठगी के आरोप में दिल्ली का कारोबारी गिरफ्तार

» इंदिरापुरम, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

थाना पुलिस ने वित्तीय धोखाधड़ी के बडे.मामले में पुलिस ने सोमवार रात दिल्ली के कारोबारी विमल जैन को गिरफ्तार किया है। उस पर एक नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से 7.60 करोड़ रुपये का लोन लेकर गबन का आरोप है। आरोपी ने लोन तो लिया, लेकिन किस्तें नहीं चुकाईं और फर्जी बिल भी कंपनी को भेजे गए।

एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि एलिगेंस कैपिटल सर्विसेस के निदेशक आयुष गोयल ने इंदिरापुरम थाने में शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पीतमपुरा मौर्य एन्क्लेव निवासी विमल जैन ने उनकी कंपनी से 7.60 करोड़ रुपये का लोन लिया था, लेकिन किस्तों का भुगतान नहीं किया। जांच में पता चला कि विमल जैन ने फर्जी टैक्स इन्वॉइस बनाए थे। उसने अपनी कंपनी के नाम पर फर्जी डायमंड बेचने के बिल काटे थे। विमल जैन ने दावा किया कि उसने 7.60 करोड़ रुपये के कच्चे हीरे की आपूर्ति की है और लोन की राशि इन हीरे के बदले समायोजित कर ली गई है। कंपनी की जांच में ये बिल फर्जी पाए गए।

धोखाधड़ी का तरीका

विमल जैन ने एलिगेंस कैपिटल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड को कच्चे हीरे भेजने का दावा किया। उसने साथ में कंपनी का टैक्स इन्वॉइस भी भेजा था। आरोपी ने कहा कि उसने इन हीरों के बदले 7.60 करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया है। उसने यह भी दावा किया कि अब कोई बकाया राशि नहीं बची है। पुलिस पूछताछ में विमल जैन ने बताया कि उसने प्रॉपर्टी के बदले एक बैंक से भी लगभग नौ करोड़ रुपये का लोन लिया था। उसे चुकाने के लिए आयुष की कंपनी से लोन लिया था।

मेरे सपनों को पूरा करने करण ने खुद का त्याग किया : सुरभि चंदना

हाल ही में छोटे परदे की अभिनेत्री सुरभि चंदना ने अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा पर खुलकर बात की। उन्होंने अपनी असाधारण सफलता का पूरा श्रेय अपने पति करण शर्मा को देते हुए कहा कि करण हर कदम पर उनके लिए एक मजबूत स्तम्भ बनकर खड़े रहे हैं। सुरभि ने भावुक होते हुए बताया कि कैसे करण ने उनके सपनों को पूरा करने के लिए अपने निजी जीवन के कई महत्वपूर्ण अवसरों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने साझा किया कि वे और करण 21 साल की कम उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं और अब वे दोनों 36 वर्ष के हो चुके हैं। इस लंबे सफर में उन्होंने एक-दूसरे को न केवल व्यक्तिगत रूप से बढ़ते देखा है, बल्कि पेशेवर ऊंचाइयों को छूते हुए भी देखा है। सुरभि ने याद करते हुए कहा, हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ ही बड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि करण ने उन्हें एमबीए करते हुए देखा और उन्होंने करण को लंदन में एमबीए की पढ़ाई करते हुए देखा। इसके बाद जब सुरभि ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा, तो करण ने उनकी पूरी अभिनय यात्रा को भी करीब से देखा और हर मोड़ पर उनका साथ दिया। सुरभि चंदना ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि कैसे संघर्ष के दिनों में करण उनके साथ ऑडिशन में जाया करते थे। वह घंटों कार में उनका इंतजार करते थे, जब सुरभि अपने सपनों को साकार करने के लिए लंबी कतारों में खड़ी रहती थीं। उन्होंने बताया कि करण ने उनके ऑडिशन के लिए अपने परिवार के कई महत्वपूर्ण समारोहों तक को छोड़ दिया, क्योंकि उनके लिए सुरभि के सपने ज्यादा मायने रखते थे।

अभिनेत्री ने दृढ़ता से कहा, मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, उनकी मां ने भी उन्हें ऑडिशन के लिए ले जाने में मदद की, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर उनके साथ रहे हैं, एक अटूट समर्थन की मिसाल बनकर। आज भी जब वे कुछ बड़ा हासिल करते हैं, तो वे उसे साथ मिलकर मनाते हैं। यह हमेशा से एक छोटा और अंतरंग जश्न होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं। सुरभि और करण को घूमना-फिरना बेहद पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा उन्हें स्वादिष्ट भोजन का शौक है। इसलिए वे अक्सर डेट नाइट्स प्लान करते हैं। कभी वे मॉस्को में जश्न मनाते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में।

जब सारा अली खान ने पंखे पर फेंक दी फेविकोल की बोतल, सस्पेंड होने की आ गई थी नौबत

बॉलीवुड में आने के बाद सारा अली खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ मजाकिया अंदाज के लिए भी पहचानी जाती हैं। वह अक्सर इंटरव्यू में जिंदगी की छोटी-छोटी बातें बिना किसी हिचक के साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने स्कूल के दिनों का ऐसा किस्सा शेयर किया था, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया था कि एक बार स्कूल में उन्होंने पंखे पर फेविकोल फेंक दी थी और बात इतनी बढ़ गई कि स्कूल से सस्पेंड किए जाने की नौबत आ गई थी। सारा अली खान का जन्म 12 अगस्त 1995 को मुंबई में हुआ। वह अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। उनका परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है। उन्होंने मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की और बाद में अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में इतिहास और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की। एक इंटरव्यू में उन्होंने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा था कि वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन साथ ही काफी शरारती भी थीं। इसी इंटरव्यू में उन्होंने फेविकोल वाले किस्से का भी खुलासा किया।

सामंथा ने गर्भावस्था की अटकलों पर लगाया विराम

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में इंस्टाग्राम पर साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उन्हें गर्भावस्था से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। इन तस्वीरों ने उनके प्रशंसकों के बीच चल रही गर्भावस्था की अटकलों पर विराम लगा दिया। सामंथा रुथ प्रभु को एक तस्वीर में सोफे पर आराम करते हुए प्रसिद्ध लेखिका इना मे की गाइड टू चाइल्डबर्थ नामक किताब पढ़ते हुए देखा गया। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में अगस्त एनर्जी लिखा और साथ में एक सफेद दिल वाला इमोजी भी लगाया, जो स्पष्ट रूप से उनके जीवन में आने वाले इस नए पड़ाव की ओर इशारा कर रहा था। काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें मीडिया में चल रही थीं, और इन पर सामंथा ने पहले एक साक्षात्कार के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कहकर इन अटकलों को और बल दिया था। अब इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी आने वाली मातृत्व की खुशी को सार्वजनिक रूप से साझा किया है। सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से एक छोटी सी और अंतरंग सेरेमनी में शादी की थी। अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बड़े बदलाव के साथ ही सामंथा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मां इंति बंगारम की शानदार सफलता का भी जश्न मना रही हैं।

समाज लोगों को हीरो या विलेन बनाने में करता है जल्दबाजी, कम होता जा रहा ध्यान : जीत

बंगाली सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता जीत एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जिसमें एक ही व्यक्ति को लेकर समाज की सोच बिल्कुल अलग नजर आती है। कोई उसे क्रांतिकारी मानता है तो कोई अपराधी। इसी विषय के बहाने जीत ने समाज के लोगों को जल्दी से हीरो या विलेन मान लेने की आदत पर अपनी राय रखी। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में जीत ने कहा कि आज के दौर में लोग किसी व्यक्ति के बारे में पूरी बात या उसकी परिस्थितियों को समझने से पहले ही अपनी राय बना लेते हैं। जीत ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मैं इस बात से सहमत हूं कि समाज अक्सर लोगों को बहुत जल्दी हीरो या विलेन की श्रेणी में रख देता है। इसका कारण समय की कमी है। आज लोगों के पास हर चीज के लिए बहुत कम समय है। इसी वजह से किसी व्यक्ति या घटना को गहराई से समझने के बजाय तुरंत फैसला सुनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।'' जीत ने इस मुद्दे पर आज की युवा पीढ़ी को लेकर सकारात्मक सोच भी जाहिर की। उन्होंने खास तौर पर जेनजी और आने वाली पीढ़ियों की तारीफ की। जीत ने कहा, ''आज की पीढ़ी काफी समझदार और स्मार्ट है। मैं खुद घर पर युवा पीढ़ी के लोगों के साथ रहता हूं और इसलिए मुझे करीब से समझने का मौका मिलता है।

रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉजीर्ना से शादी रचायी

» लिस्बन, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 11 साल साथ रहने के बाद अपनी गर्लफ्रेंड जॉजीर्ना रोड्रिगेज से शादी रचायी है। रोनाल्डो और जॉजीर्ना ने अपनी शादी की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी है। इस रोमांटिक जोड़े ने मंगलवार को पुर्तगाल के कासकैस में एक निजी समारोह आयोजित कर शादी की रस्मे निभाई। ठीक एक साल पहले 11 अगस्त 2025 को ही दोनों की सगायी हुई थी। इस यादगार अवसर पर उनके परिवार के करीबी सदस्यों के साथ ही उनके बच्चे भी उपस्थित थे।

रोनाल्डो और जॉजीर्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की हैं, उनमें उनके बाएं हाथ की उंगलियों में अंगूठियां साफ दिखाई दे रही हैं। इस समारोह की कोई अन्य तस्वीर या वीडियो अब तक सामने नहीं आये हैं। इस दंपत्ति के शादी से पहले ही पांच बच्चे हुए हैं। इनके नाम क्रिस्टियानो जूनियर, जुड़वां बच्चे ईवा और माटेओ, अलाना मार्टिना और बेला एस्मेरल्डा आदि हैं। रोनाल्डो खेल के बाद अपनी पत्नी और बच्चों के ही साथ समय बिताते हैं। जब भी उन्हें खेल से फुर्सत मिलती है, वह अधिकतर उनके साथ ही छुट्टियां बिताने जाते हैं और क्वालिटी टाइम बिताते हैं। यह जोड़ा सोशल मीडिया पर भी परिवार से जुड़ी जानकारी साझा करते है। इससे उनकी मजबूत बॉन्डिंग और पारिवारिक मूल्यों का अंदाजा होता है। यहां तक कि रोनाल्डो और जॉजीर्ना के पारिवारिक जीवन पर 'आई एम जॉजीर्ना' भी बन चुकी है, जो दुनिया भर में लोकप्रिय हुई है। वहीं अब ग्यारह साल के लंबे सफर और पांच बच्चों के साथ उन्होंने अपने रिश्ते को और मजबूती दी है।

फोटो स्टोरी

उत्तरी चीन में चाइना ओपन स्नूकर टूनामेंट में भाग लेते हुए चीन के झाओ जिनटोंगे।

ट्रंप और मोदी आपस में सुलझा लेंगे मामला : अमेरिका

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

वाइट हाउस के एक वरिष्ठ व्यापार सलाहकार ने स्पष्ट किया है कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी शुल्क की धमकी से जुड़े मुद्दों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे। यह बयान अमेरिकी सीनेट द्वारा एक नए विधेयक को पारित किए जाने के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति को रूस से तेल के शीर्ष पांच खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है। इस विधेयक के पीछे यह तर्क दिया गया है कि ऐसा व्यापार प्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन युद्ध को आर्थिक मदद पहुंचा रहा है। वाइट हाउस के सलाहकार के अनुसार, वर्ष 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत रूस के साथ बड़े पैमाने पर तेल व्यापार में नहीं था, लेकिन बाद में परिस्थितियों के तहत इसमें शामिल हुआ। उन्होंने विश्वास जताया कि अमेरिकी

राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच बेहतरीन कूटनीतिक और कामकाजी संबंध हैं, इसलिए वे इस विषय का समाधान द्विपक्षीय बातचीत के जरिए निकाल लेंगे। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों के कड़े प्रतिबंधों और दबाव के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों द्वारा रूस से कच्चे तेल का आयात लगातार जारी है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जुलाई महीने में भारतीय खरीदारों ने रूस से अरबों यूरो मूल्य के कच्चे तेल का आयात किया, जिसमें कुल ईंधन आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी भारी-भरकम रही है। भारत के अलावा इस सूची में चीन, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे देश भी शामिल हैं जो रूस से ऊर्जा उत्पादों के प्रमुख खरीदार हैं। अमेरिकी सीनेट ने रूस और उसके पेट्रोलियम उत्पादों के प्रमुख आयातकों को दंडित करने के उद्देश्य से 'सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट' विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दी है। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से तेल और गैस का सबसे अधिक आयात करने वाले शीर्ष पांच देशों के सामान पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की शक्ति प्रदान करता है। इस विधेयक का उद्देश्य रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था को समर्थन देने वाले देशों को अमेरिका के साथ व्यापार और सस्ती रूसी ऊर्जा में से किसी एक को चुनने के लिए बाध्य करना है। फिलहाल, वाइट हाउस के इस रुख से यह साफ है कि दोनों देश कूटनीतिक माध्यमों से इस व्यापारिक गतिरोध का हल निकाल लेंगे।

रावलपिंडी में जीएचक्यू के मुख्य गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग, एक जवान सहित हमलावर ढेर

» रावलपिंडी, यूटर्न/ 12 अगस्त

पाकिस्तान के रावलपिंडी से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां स्थित पाकिस्तानी सेना के जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) के मुख्य गेट के बाहर भारी हथियारों से लैस एक हमलावर ने अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मंगलवार सुबह व्यस्त समय में हुए इस हमले से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। मुस्तैद सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया गया, जिससे वह सैन्य परिसर के अंदर घुसने में नाकाम रहा। हालांकि, इस भीषण गोलीबारी के दौरान पाकिस्तान सेना का एक जवान ड्यूटी पर शहीद हो गया, जबकि दो अन्य सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तुरंत मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रारंभिक जांच और घटनास्थल से बरामद सामान के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि हमलावर एक बड़े पैमाने पर आत्मघाती हमले को अंजाम देने की फिराक में था। उसके पास घातक हथियारों के साथ संदिग्ध विस्फोटक सामग्री भी होने की बात सामने आई है। घटना के तुरंत बाद एलीट काउंटर-टेररिज्म यूनिट्स, स्पेशल फोर्सेज और भारी सैन्य बलों ने पूरे जीएचक्यू जोन और आसपास के इलाकों को पूरी तरह से अपने घेरे में ले लिया। रावलपिंडी गैरीसन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है और बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इलाके में अतिरिक्त चेकपॉइंट्स स्थापित कर यातायात को नियंत्रित किया गया है तथा फॉरेंसिक टीमें मृत हमलावर की पहचान और उसके आतंकी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

संक्षिप्त खबरें

अफगानिस्तान ने एक जाने-माने पत्रकार को 2 साल जेल में रहने के बाद रिहा

काबुल, यूटर्न/ 12 अगस्त । अफगानिस्तान के जाने-माने पत्रकार हामिद फरहादी को मंगलवार को दो साल जेल में बिताने के बाद रिहा कर दिया गया। उन्हें अफगान सरकार ने कथित तौर पर सरकार-विरोधी प्रचार करने का दोषी ठहराया था और जेल की सजा सुनाई थी। टोलोन्यूज प्लस ने परिवार के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकार को सितंबर 2024 में काबुल में गिरफ़्तार किया गया था और 'एत्तेलात-ए-रोज' दैनिक अखबार के साथ काम करने के कारण उन्हें बगराम मिलिट्री बेस की एक उच्च सुरक्षावाली जेल में भेजा गया था। अफगान सरकार ने जुलाई के आखिर में बशीर हातिफ को रिहा किया था, जो एक जाने-माने पत्रकार और गैर-लाभकारी संस्था 'जर्नलिस्ट्स कम्युनिकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर' के संस्थापक हैं; उन्होंने भी उसी जेल में एक साल बिताया था। दोनों पत्रकारों को अफगानिस्तान के 'जनरल डायरेक्टरेट ऑफ इंटेलिजेंस' के अधिकारियों ने गिरफ़्तार किया था और एक मिलिट्री ट्रिब्यूनल ने उन्हें जेल की सजा सुनाई थी।

अमेरिका ने 'गोल्डन डोम' इंटरसेप्टर के शुरूआती टेस्ट सफलतापूर्वक किए पूरे : ब्लूमबर्ग

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 12 अगस्त: 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के लिए अंतरिक्ष आधारित इंटरसेप्टर बनाने वाले अमेरिकी डेवलपर्स शुरूआती टेस्ट सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परीक्षण के अगले चरण की ओर बढ़ रहे हैं। यह जानकारी अमेरिका स्पेस फोर्स के जनरल माइकल गुएटलीन ने दी, जो इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। ब्लूमबर्ग ने पहले सूत्रों के हवाले से बताया था कि पेंटागन की योजना 2026 के अंत तक अंतरिक्ष आधारित मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के तहत शुरूआती परीक्षण पूरे करने की थी। न्यूज एजेंसी के अनुसार, शुरूआती परीक्षण में सेंसर से इंटरसेप्टर तक डेटा भेजना और उनके स्पेसक्राफ्ट के प्रोपल्शन सिस्टम की टेस्टिंग शामिल थी। गुएटलीन ने मंगलवार को एक कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कंपनियाँ अगले चरण की ओर बढ़ रही हैं.

पाकिस्तान में उठी भेदभाव और जबरदस्ती धर्म परिवर्तन को खत्म करने की मांग की

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 12 अगस्त

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा जारी रहने के बीच, 'माइनॉरिटी राइट्स मार्च' और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों ने 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक दिवस' पर कराची में मजार-ए-कायद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने देश भर में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव और उत्पीड़न की निंदा की।

इस प्रदर्शन में पाकिस्तान के जाने-माने अधिकार कार्यकर्ता (राइट एक्टिविस्ट) और समुदाय के नेता शामिल हुए, जिनमें शीमा किरमानी, पादरी गजाला शफीक, विनेश आर्य, सज्जल शफीक, नाथन डेनियल और अनवर शेख शामिल थे।

पाकिस्तानी अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जबरदस्ती धर्म परिवर्तन को अपराध घोषित करने और अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच शादी से जुड़े पर्सनल लॉ (व्यक्तिगत कानूनों) में संशोधन करने की मांग की, ताकि अल्पसंख्यक जीवनसाथी और बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जा सके। उन्होंने अपनी 11-सूत्रीय मांगों को स्वीकार करने की भी अपील की, जिसमें जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय और ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग से सुरक्षा शामिल है।

अन्य मांगों में सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों में सभी स्तरों पर अल्पसंख्यकों के लिए 10 प्रतिशत कोटा, अल्पसंख्यकों को सफाई और कम वेतन वाली अन्य नौकरियों तक ही सीमित रखने की प्रथा को खत्म करना, और अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों और संपत्तियों की सुरक्षा व बहाली शामिल थी। प्रदर्शनकारियों ने रिकॉर्ड को डिजिटल करने और राष्ट्रीय व प्रांतीय अल्पसंख्यक अधिकार आयोग बनाकर सुप्रीम कोर्ट के 2014 के फैसले को लागू करने की भी मांग की। उन्होंने स्कूल के सिलेबस और किताबों से भेदभावपूर्ण और नफरत फैलाने वाली सामग्री हटाने की भी मांग की और अल्पसंख्यकों के सम्मान, सहनशीलता, शांति और धार्मिक विविधता पर ज्यादा जोर देने को कहा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि संविधान और दूसरे कानूनों में 'गैर-मुस्लिम' शब्द की जगह विशिष्ट धार्मिक पहचानों का इस्तेमाल किया जाए।

एच1 बी वीजा ग्रेस अवधि खत्म करने से कुशल पेशेवरों की संख्या में आएगी कमी

वाशिंगटन, यूटर्न/ 12 अगस्त । अमेरिका में नौकरी छूटने के बाद रोजगार तलाशने वाले एच1 बी वीजा धारकों के लिए 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने के प्रस्ताव से बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन होगा और खासकर भारत से आने वाले अत्यधिक कुशल पेशेवरों की संख्या में कमी आएगी। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है। एच1 बी रोजगार वीजा के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय नागरिक शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के गृह विभाग ने 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। यह अवधि एच1 बी वीजा कामगारों और अन्य वैध अप्रवासियों को नौकरी के अवसर खत्म होने के बाद अमेरिका में रहने की अनुमति देती है, ताकि वे नये रोजगार की तलाश कर सकें, अपनी आव्रजन स्थिति बदल सकें या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकें। व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार अजय जैन भूटोरिया ने कहा कि मौजूदा 60 दिन की ग्रेस अवधि को पूरी तरह खत्म करना गंभीर और पीछे ले जाने वाला कदम है, जो कानूनी प्रवासियों को सीधे नुकसान पहुंचाता है। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी वकील ने कहा कि सभी स्टार्टअप संस्थापक अपनी कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़कर नए उद्यम शुरू करने के लिए 60 दिन की ग्रेस अवधि का इस्तेमाल अपनी स्थिति बदलने संबंधी याचिकाएं दाखिल करने में करते हैं।

पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन सरकार से नाराज, दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम

» कराची, यूटर्न/ 12 अगस्त ।

पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (पीपीडीए) ने हुकूमत को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उनका आरोप है कि सरकार उन वादों को पूरा नहीं कर पाई है जो पेट्रोलियम मंत्री ने उनसे किए थे। खासकर पेट्रोल की रिटेल सेल प्राइस (खुदरा बिक्री दर) पर आठ फीसदी मार्जिन बढ़ाने के वादे का जिक्र किया गया। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार 72 घंटे के अंदर उनकी मांगें पूरी नहीं करती है, तो देश भर के पेट्रोल पंप शनिवार (15 अगस्त) को सुबह 6 बजे से अनिश्चित काल के लिए बंद हो जाएंगे और तब तक नहीं खुलेंगे जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। प्रमुख पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, पीपीडीए अध्यक्ष मलिक खुदा बख्श ने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो पेट्रोलियम डीलर अपना बिजनेस जारी नहीं रख पाएंगे।

मलिक ने कहा कि देश भर के डीलरों की एक मीटिंग के बाद, पेट्रोल पर 8 परसेंट मार्जिन की मांग करने का फैसला किया गया था। डीलरों का सब्र जवाब दे गया था, और 14,000 से ज्यादा सदस्यों ने एसोसिएशन से अपील की थी कि वो सरकार पर दबाव बनाए।

गर्मी से बचने उत्तर कोरिया की सरकार ने दी डॉग मीट सूप पीने की सलाह

» प्योंगयांग, यूटर्न/ 12 अगस्त

आजकल उत्तर कोरिया में रिकार्ड तोड गर्मी पड रही है, जहां तापमान 36.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह देश के इतिहास का सबसे अधिक दर्ज तापमान है। असहनीय गर्मी से निपटने के लिए किम जोंग उन की सरकार ने अपने नागरिकों को डॉग मीट सूप (कुत्ते के मांस का सूप) पीने की सलाह दी है। इसे गर्मियों का पारंपरिक और पौष्टिक भोजन बताया जा रहा है, जिसे सामबोक नामक गर्मियों के सबसे गर्म दौर, जिसे अंग्रेजी में डॉग डेज ऑफ समर भी कहा जाता है, से जुड़ा एक पुराना रिवाज माना जाता है।

सरकारी मीडिया का दावा है कि यह शरीर को ठंडक प्रदान करता है और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाता है। प्योंगयांग जनरल हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने भी गर्मी से बचाव के लिए डॉग मीट सूप को पौष्टिक भोजन करार दिया है।

सरकारी मीडिया ने एक पुरानी कहावत का भी जिक्र किया कि डॉग डेज के दौरान अगर डॉग मीट सूप पैर पर भी गिर जाए तो वह दवा जैसा असर करता है, जिससे इसकी सांस्कृतिक अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, सलाह केवल डॉग मीट सूप तक सीमित नहीं है। सरकार ने तरबूज, खीरा, मूंग और पर्याप्त पानी जैसे ठंडक देने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने का भी सुझाव दिया है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *